



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

22 पौष 1938 (श10)

(सं० पटना 32) पटना, बृहस्पतिवार, 12 जनवरी 2017

सं० 08/आरोप-01-315/2014-14137 सां०प्र०
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

18 अक्टूबर 2016

श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/11 के विरुद्ध कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, बेतिया के पद पर पदस्थापन के दौरान शौचालय निर्माण योजना में अनियमितता बरतने संबंधी आरोपों पर बेतिया नगर थाना कांड सं०-290/14 दिनांक 10.06.2014 दर्ज हुआ जिसमें ये गिरफ्तार होकर न्यायिक हिरासत में भेजे गये। उपर्युक्त का संज्ञान होने पर विभागीय संकल्प ज्ञापांक-6820, दिनांक 12.05.2015 द्वारा इन्हें हिरासत अवधि के लिए निलंबित करने के साथ-साथ दिनांक 12.05.2015 के प्रभाव से पुनः निलंबित कर दिया गया। उक्त आरोपों पर श्री कुमार के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के निमित्त विभागीय पत्रांक-6818, दिनांक 12.05.2015 तथा स्मार पत्रांक-8838, दिनांक 18.06.2015 एवं पत्रांक-10717, दिनांक 24.07.2015 द्वारा जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया से आरोप, प्रपत्र 'क' की माँग की गयी।

2. जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के पत्रांक-49, दिनांक 26.08.2015 द्वारा यथावांछित आरोप, प्रपत्र 'क' प्राप्त हुआ। इसके साथ ही श्री कुमार के नगर परिषद्, बेतिया के पद पर पदस्थापन काल से संबंधित कतिपय परिवाद पत्र की जाँच के आलोक में जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के पत्रांक-252, दिनांक 11.03.2015 द्वारा प्रेषित आरोप, प्रपत्र 'क' की प्रति नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-5162 दिनांक 07.10.2015 द्वारा प्राप्त हुआ। विभागीय स्तर पर उपर्युक्त आरोपों के आधार पर समेकित आरोप, प्रपत्र 'क' गठित किया गया तथा अनुशासनिक प्राधिकार के अनुमोदनोपरांत विभागीय पत्रांक-4748, दिनांक 31.03.2016 द्वारा श्री कुमार से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। इस क्रम में श्री कुमार का स्पष्टीकरण (दिनांक 12.05.2016) प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने कतिपय साक्ष्य संलग्न करते हुए स्वयं को आरोप मुक्त करने का अनुरोध किया।

3. आरोप, प्रपत्र 'क' एवं श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण की विभागीय स्तर पर समीक्षा के उपरांत यह पाया गया कि राजस्व की क्षति से संबंधित इस गम्भीर मामले में आरोपित पदाधिकारी ने अपने स्पष्टीकरण में जो तथ्य स्पष्ट किये हैं उसके आधार पर उनके निर्दोष होने का प्रमाण नहीं मिलता है। इस आलोक में मामले के बृहद जाँच की आवश्यकता है।

4. अतएव सम्यक् विचारोपरांत यह निर्णय लिया गया कि श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/11, तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, बेतिया (सम्प्रति निलंबित) से संबंधित उक्त मामले की वृहद जाँच, बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-17(2) में विहित रीति से करायी जाय। इस विभागीय कार्यवाही के संचालन पदाधिकारी, आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर एवं उपस्थापन/प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना द्वारा मनोनीत पदाधिकारी होंगे। प्रमंडलीय आयुक्त स्वयं इस मामले की जाँच करेंगे।

5. श्री वीरेन्द्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-896/11, तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, बेतिया (सम्प्रति निलंबित) से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित होंगे।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम विशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 32-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>